सैंधा नमक का आयात

\+

*३. श्री म० ला० द्विवेदी
श्री स० चं० सामन्त :
श्री रामेश्वर टांटिया :
श्री रघुनाथ सिंह :
पंडित द्वा० ना० तिवारी :
श्री श्रीनारायण दास :
श्री विभूति मिश्र :
श्री भागवत झा आजाद :

क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार का कितना सेंधा नमक आयात करने का विचार है और किन किन देशों से ;

(ख) क्या इससे नमक उद्योग को हानि की आशंका है, और यदि हां, तो किस हद तक ; और

(ग) सेंधा नमक का आयात, विदेशी मुद्रा की कमी को देखते हुए, क्यों आत्यावश्यक हो गया है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) लगभग एक लाख मन पाकिस्तान से ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) भारत और पाकिस्तान के बीच किये गये व्यापार करार के अनुसार यह आयात करने की अनुमति दी जा रही है । यह करार दोनों देशों के बीच व्यापारिक तथा आर्थिक सम्बन्ध विकसित करने, बढ़ाने और मजबूत करने के विचार से किया गया है । इस पर कुछ भी विदेशी मुद्रा खर्च नहीं होगी क्योंकि आयात किये गये सेंधा नमक के मूल्य का भुगतान अपरिवर्तनीय भारतीय रुपयों में किया जायेगा ।

I shall read the answer in English also.

(a) About one lakh maunds from Pakistan.

(b) No, Sir.

(c) The import is being allowed in pursuance of the trade agreement which has been entered into between India and Pakistan in the interest of developing, extending and consolidating trade and economic relations between the two countries. No foreign exchange expenditure is involved, as payment for the import is to be made in non-convertible Indian Rupees.

श्री म० ला० द्विवेदी : भारत और पाकिस्तान के बीच जो व्यापारिक समझौता हुआ था उसके अनुसार कुछ चीजें भारत पाकिस्तान से मंगा सकता है और कुछ चीजें पाकिस्तान भारत से मंगा सकता है । इसी समझौते के अनुसार यह नमक मंगा रहा है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या पाकिस्तान में भी कुछ माल को अपने यहां मंगाने का प्रयत्न किया है या कि केवल हम ही उनका साल्ट मंगा रहे हैं ?

श्री कानूनगो : नहीं, कुछ माल वहां हमारे यहां से जाता है । हमको पिछले साल नमक लेने का सुभीता नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने उसको रिलीज़ नहीं किया और अभी तो हम अपने यहां का ही साल्ट लेते हैं ।

श्री म० ला० द्विवेदी : में यह जानना चाहता हूं कि विगत पांच वर्षों में कितना प्रतिशत समझौता पाकिस्तान ने माना है कितना हमने माना ?

श्री कानूनगो : इसका उत्तर तो आंकड़े देख कर दिया जा सकता है ।

Shri S. C. Samanta: May I know whether the bilateral agreement with Pakistan will continue further and if so whether the Government has thought of exploiting the rock salt in India in Mandi area?

Shri Kanungo: The Pakistan-India agreement is reviewed evry six months. So, it may be altered in the next review. Steps may be taken for developing the rock salt sources here also.

Shri Bhagwat Jha Azad: Part (b) of the question has been answered in the negative. May I know whether his attention has been drawn to representations of the small-scale salt traders that they had been put to inconvenience and difficulties as a result of imports?

Shri Kanungo: No, Sir. There is no such representation before the Government.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो राक साल्ट हिन्दुस्तान में पैदा करने की कोशिश की गयी थी क्या उससे हमारी राक साल्ट की आवश्यकता पूरी नहीं होती ?

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह): जो मण्डी में राक साल्ट है अभी हमने उसको पैदा करने के लिए ड्रिल्स लगाए हैं और हमारी आशा है कि जब वह कांट्रैक्ट सफल हो जाएगा तो हम वहां काफी तादाद में राक साल्ट बनायेंगे

श्री विभूति मिश्र मैं यह जानना चाहता हूं कि जो सरकार पाकिस्तान से एक लाख मन सेंधा नमक ले रही है इसको विभिन्न प्रदेशों में किस आधार पर वितरित किया जाएगा और इसकी प्रति मन क्या कीमत होगी ?

श्री कानूनगो : यह चीज स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन के डिस्ट्रीब्यूशन एजेंट राज्य सरकारों से मिल कर तै करेंगे और उसका रेट भी निर्धारित करेंगे ।

श्री दाजी : क्या गवर्नमेंट इस बात पर गौर करेगी कि अपने देश की जनता को दूसरे देश का नमक खिलाना कहां तक उचित है ?

श्री कानूनगो : हमारे देश में काफी नमक है और उसको हम इस्तैमाल करते हैं ।

President Ayub's Visit to India

*4. **Shri Shree Narayan Das:**
Shri D. C. Sharma:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Raghunath Singh:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Vidya Charan Shukla:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether any definite reaction of President Ayub of Pakistan on the renewed invitation to him to visit India has been received;

(b) if so, the nature of it;

(c) whether any indications have been given by Pakistan Government regarding the desirability of having bilateral negotiations to resolve the Kashmir issue; and

(d) if so, whether there is any likelihood of such talks being held in the near future?

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): (a) and (b). President Ayub Khan had given our High Commissioner to understand that in his opinion it would not be worthwhile his visiting India at present.

(c) and (d). We have conveyed to Pakistan our desire to attempt to resolve the Kashmir issue by bilateral talks; but Pakistan is obviously bent on pursuing only an agitational approach before the Security Council. The Prime Minister had already made it clear in reply to Supplementaries on Starred Question No. 72 in the Rajya Sabha on March 20, 1962, that the Security Council discussion and bilateral talks did not fit in, and that for setting the matter it was necessary to pursue either one or the other.

Shri Shree Narayan Das: In view of the fact that the hon. Prime Minister stated in the Raja Sabha, as referred to by the Minister now, that the